Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 24-08-2005

Participants : Aditya Nath Shri

>

Title : Need to take suitable steps to check recurring floods in Eatern Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : माननीय उपाध्यक्ष जी, देश में प्रतिर्वा बाढ़, भूकम्प, सूखा आदि प्राकृतिक आपदाओं से बड़े पैमाने पर धन-जन की हानि होती है। बाढ़ अन्य प्राकृतिक त्रासदियों भूकम्प अथवा तूफान जैसी विभीाकिा भी नहीं है कि जिसका पूर्वानुमान कठिन है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज आदि जनपद तथा बिहार के कुछ क्षेत्र प्रतिर्वा बाढ़ की भीाण आपदा का सामना करते हैं। हिमालय की तराई में पड़ने वाला यह क्षेत्र वहां से निकलने वाली सरयू, राप्ती, रोहिन, गण्डक, नारायणी आदि कई छोटी-बड़ी नदियों की बरसाती बाढ़ के मुहाने पर होने के कारण पहले शिकार होते हैं। इस क्षेत्र में प्रतिर्वा आने वाली बाढ़ की त्रासदी का स्थलीय निरीक्षण - सर्वेक्षण कराकर तथा राहत सामग्री के रूप में प्रतिर्वा व्यय की जाने वाली धनराशि से थोड़ी ही अधिक धनराशि अगर एक बार खर्च कर दी जाए तो बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान किया जा सकता है। आजादी को बाद जल के उचित दोहन तथा बाढ़ की विभीाकिा से बचने के लिए उत्तर प्रदेश के लिए गंगाजल आयोग का गठन किया था। इस आयोग का सुझाव था कि पूर्वांचल की नदियों का उद्‌गम-स्थल नेपाल में ही करनाली, पंचेश्वर तथा भालू में बांध बनाकर रोका जाए तथा नेपाल में ही जलकुण्डी जलाशय बनाकर आवश्यकतानुसार जल इसमें लाया जाए, परन्तु राजनीतिक कारणों से योजना अमल में नहीं लायी जा सकी।

अतः मैं माननीय सदन से इस समस्या पर विचार करने तथा माननीय प्रधानमंत्री जी से इसके लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध करता हूं जिससे प्रतिर्वा बाढ़ जैसी प्राकृतिक त्रासदी से होने वाली व्यापक धन-जन की हानि को रोका जा सके।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ram Singh Kaswan - not present.